IPEF मंत्रिस्तरीय बैठक

प्रिलिम्स के लिये:

हिंद-प्रशांत क्षेत्र, इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (IPEF)

मेन्स के लिये:

भारत को शामिल करने वाले और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले समूह और समझौते, द्विपक्षीय समूह और समझौते, हिंद-प्रशांत और इसका महत्त्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (IPEF) मंत्रिस्तरीय की दूसरी बैठक हुई, जिसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र के भागीदार देशों के बीच आर्थिक सहयोग में महत्त्वपूर्ण योगदान को दर्शाया गया।

- इस आभासी सभा में उच्च-स्तरीय अधिकारियों को **ढाँचे के चार स्तंभों** में से प्रत्येक स्तंभ से संबंधित वार्ता के विषय में चर्चा करने हेतु आमंत्रित किया गया जिसे **संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आयोजित** किया गया था।

बैठक की मुख्य विशेषताएँ:

- इस बैठक में **स्तंभ II** के तहत अपनी तरह के प्रथम अंतर्राष्ट्रीय IPEF आपूर्ति शृंखला समझौते की वार्ता के समापन की घोषणा की गई **जिसका उद्देश्य लचीलापन, दक्षता, उत्पादकता, स्थिरता, पारदर्शिता, विविधीकरण, सुरक्षा, निष्पक्षता और आपूर्ति शृंखलाओं के समावेश को बढ़ाना** है।
- इस बैठक में अन्य IPEF स्तंभों अर्थात् **निष्पक्ष और लचीला व्यापार (स्तंभ I), अवसंरचना, स्वच्छ ऊर्जा एवं डीकार्बोनाइज़ेशन (स्तंभ III) तथा कर एवं भ्रष्टाचार-विरोधी तंत्र (स्तंभ IV)** के तहत प्रगति की जानकारी प्राप्त हुई।
- इस बैठक में कुछ IPEF भागीदारों द्वारा स्तंभ III के अंतर्गत क्षेत्र में **नवीकरणीय और निम्न-कार्बन हाइड्रोजन** एवं इसके डेरिवेटिव की व्यापक तैनाती को प्रोत्साहित करने के लिये एक **क्षेत्रीय हाइड्रोजन पहल** की शुरुआत की गई।

IPEF के विषय में:

- **परिचय:**
  - यह एक **अमेरिकी नेतृत्व वाली पहल** है जिसका उद्देश्य भागीदार **देशों के मध्य आर्थिक साझेदारी को मज़बूत करना** है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लचीलापन, स्थिरता, समावेश, आर्थिक विकास, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्द्धात्मकता को बढ़ावा देना है।
  - IPEF को **संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत-प्रशांत क्षेत्र के अन्य भागीदार देशों द्वारा संयुक्त रूप से 23 मई, 2022** को **टोक्यो** में शुरू किया गया था।
- **सदस्य:**
  - ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूज़ीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका और वियतनाम।
- **स्तंभ:**
  - **व्यापार (स्तंभ I):**
    - **IPEF, भागीदार देशों के बीच व्यापार जुड़ाव मज़बूत करने पर ध्यान** केंद्रित करता है।
    - इसका उद्देश्य **क्षेत्र में आर्थिक विकास, शांति और समृद्धि को बढ़ावा देना** है।
    - भारत, **IPEF के स्तंभ II से IV में** शामिल हो गया, जबकि **स्तंभ- I में भारत को पर्यवेक्षक** का दर्जा प्राप्त है।
  - **आपूर्ति-शृंखला में लचीलापन (स्तंभ II):**
    - यह आपूर्ति शृंखलाओं को **अधिक लचीला, मज़बूत और अच्छी तरह से एकीकृत** बनाने का प्रयास करता है।
    - संकट प्रतिक्रिया **उपायों और व्यवधानों को कम करने के लिये सहयोग पर बल** देता है।

- महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे- **रसद, संयोजकता और निवेश में सुधार** पर ध्यान केंद्रित करता है।
- कौशल उन्नयन और पुनर्कौशल पहलों के माध्यम से कार्यकर्त्ता भूमिकाओं को बढ़ाने का लक्ष्य है।

◦ **स्वच्छ अर्थव्यवस्था (स्तंभ III):**
- [स्वच्छ ऊर्जा] और जलवायु के अनुकूल प्रौद्योगिकियों पर सहयोग को आगे बढ़ाना।
- स्वच्छ ऊर्जा **अनुसंधान, विकास, व्यावसायीकरण और परिनियोजन पर ध्यान केंद्रित** करना।
- **हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जलवायु संबंधी परियोजनाओं में निवेश** को प्रोत्साहित करना।

◦ **निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (स्तंभ IV):**
- यह [भ्रष्टाचार विरोधी] और प्रभावी कर उपायों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- भ्रष्टाचार से निपटने के लिये विधायी और प्रशासनिक ढाँचे में सुधार हेतु भारत के मज़बूत कदमों पर प्रकाश डाला गया।
- UNCAC (भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन) और FATF (वित्तीय कार्रवाई कार्य बल) मानकों को लागू करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ipef-ministerial-meeting